Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

कोड नं. **2/1/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

स्वार्थ का ज़हर
जब तक आवृत रखेगा
मानवता की आकृति को
और
स्वार्थ की नींव जब तक
जुड़ी रहेगी धन के गारे से
तब तक
आत्मसंतोष केवल
कल्पना की वस्तु होगी ।
कितने ही त्याग और
धर्म के उपदेश करें
अभावों की यह रात
सूनी-सी अन्धी रहेगी

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

ये नहीं हो जाता
थार्थ मेल नहीं खाता
आदर्श और धर्म को
काग़ज़ पर उतारने से फ़ायदा क्या,
उत्तरदायित्व और संवेदनाहीन
इन थोथी डिग्रियों से
जीवन के दुख का रहस्य
सुलझ नहीं पाता ।

(क) किन स्थितियों में आत्मसंतोष कल्पना की वस्तु होता है ?

(ख) 'अभावों की रातें' से कवि को क्या अभिप्रेत है ? यह रात और अधिक 'सूनी' और 'अंधी' कैसे हो जाती है ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए :
'आदर्श और धर्म को
काग़ज़ पर उतारने से फ़ायदा क्या ?'

(घ) 'डिग्रियाँ' क्या हैं ? उन्हें थोथी क्यों कहा गया है ?

(ङ) 'जीवन के दुख का रहस्य' कैसे सुलझ पाता है ?

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जिस समय लोकमान्य तिलक ने राजनीतिक क्षेत्र में क़दम रखा उस समय पूरा देश चैतन्यहीन और स्वत्वहीन हो चुका था । देश के करोड़ों निवासी जंगल के सूखे पत्तों की तरह अस्त-व्यस्त थे । उनमें जीवन नहीं था, एकता नहीं थी, उनका आत्मविश्वास मर चुका था । उनके मन में यह भरा जा चुका था कि अंग्रेज़ी साम्राज्य इस देश पर सदा शासन करने वाला है ।

इस परिस्थिति को बदलने की आवश्यकता तिलक ने महसूस की । उन्होंने उन्हीं असंगठित पत्तों जैसे लोगों को इकट्ठा किया और उनमें राष्ट्रीय स्वातंत्र्य के लिए संकल्प जगाया । देश का बहुसंख्यक समाज परलोक को अधिक महत्त्व देता था और इस लोक के प्रति उदासीन था । इस दृष्टि को बदलकर उन्हें जीवनोन्मुख बनाया । इस कार्य के लिए उन्होंने भगवद् गीता को नया अर्थ दिया और कर्मयोग के सिद्धान्त को लोगों के सामने रखा जो राष्ट्रीय पुनर्जागरण के कार्य में बड़ा ही महत्त्वपूर्ण और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ ।

तब हालत कुछ ऐसी थी कि अपने समाज के दोष दिखाने और पाश्चात्य समाज, जीवन, विचार और कृतित्व का गुणगान करने में ही हमारे पढ़े-लिखे विचारक गौरव महसूस करते थे । भारत के बहुसंख्यक समाज की धर्म-प्रणाली, रीति-रिवाज, समाज-व्यवस्था – सभी

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

... । तिलक ने इस बात को समझा और अपने समाज, धर्म और इतिहास ... अभिमान जगाया । इसी के साथ उन्होंने समाज के विभिन्न गुटों के मध्य उत्पन्न हुए विरोधों को दूर कर राष्ट्रीयता की भावना को पैदा किया और राष्ट्रीयता की भावना से ही पूर्ण स्वराज्य की माँग का उदय हुआ जिसका प्रेरक वाक्य था – "स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है ।"

(क) 'चैतन्यहीन होने' से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए कि देश की चैतन्यहीनता का क्या कारण था । *2*

(ख) देशवासियों की तुलना सूखे पत्तों से क्यों की गई है ? *2*

(ग) 'उस परिस्थिति' में तिलक ने कौन-सा महत्त्वपूर्ण कार्य किया ? *1*

(घ) देश के पढ़े-लिखे विचारकों की क्या सोच थी ? *2*

(ङ) तिलक ने किस आधार पर उनके दृष्टिकोण में परिवर्तन किया ? *1*

(च) तिलक ने देशवासियों में अपने समाज और धर्म के प्रति अभिमान जगाना आवश्यक क्यों समझा ? *1*

(छ) सामाजिक सौहार्द के लिए तिलक का क्या योगदान था ? *1*

(ज) तिलक की राष्ट्रीयता की भावना किस रूप में प्रतिफलित हुई ? *2*

(झ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ञ) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : *1*

संकल्प, स्वातंत्र्य ।

(ट) मिश्रवाक्य में बदलिए : *1*

'देश के करोड़ों निवासी जंगल के सूखे पत्तों की तरह अस्त-व्यस्त थे ।'

खण्ड ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : *5*

(क) साम्प्रदायिक एकता
(ख) बढ़ती आबादी
(ग) मेहनत ही किस्मत है
(घ) वृक्षारोपण एवं वृक्ष-संरक्षण

4. प्लास्टिक थैलों के प्रयोग पर प्रतिबंध के उपरान्त भी उनके निरंतर बढ़ते प्रयोग पर चिन्ता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले रक्तदान-शिविर के लिए अपेक्षित कुछ डॉक्टरों की व्यवस्था-हेतु क्षेत्र के स्वास्थ्य-अधिकारी को एक अनुरोध-पत्र लिखिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

के संक्षेप में उत्तर दीजिए : *1×5=5*

(i) मुद्रित माध्यम के प्रकार लिखिए ।

(ii) फ़्लैश या ब्रेकिंग न्यूज किसे कहते हैं ?

(iii) पत्रकारों के किन्हीं दो प्रकारों का उल्लेख कीजिए ।

(iv) समाचार-लेखन के छह ककार कौन-से हैं ?

(v) विशेष लेखन किसे कहते हैं ?

(ख) 'जातीयता का फैलता हुआ विष' **अथवा** 'ग्राम्य जीवन की चुनौतियाँ' विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

6. 'नैतिकता का गिरता हुआ स्तर' **अथवा** 'लड़कियों की घटती जनसंख्या' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना-बना कितने जग रोज़ मिटाता;
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता ।
मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,
मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ ।

(क) संसार के साथ कवि का किस प्रकार का नाता है और क्यों ?

(ख) 'जग बनाने और मिटाने' से कवि का क्या आशय है ? वह किस रूप में जग की रचना करता है ?

(ग) वैभवशाली पृथ्वी से भी कवि का लगाव क्यों नहीं है ?

(घ) 'रोदन में राग' और 'शीतल वाणी में आग' से कवि क्या आशय है ?

अथवा

आतंक अंक पर काँप रहे हैं
धनी, वज्र-गर्जन से बादल !
त्रस्त-नयन मुख ढाँप रहे हैं ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

शीर्ण शरीर,
[illegible] षक अधीर
ऐ विप्लव के वीर !
चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार !

(क) 'त्रस्त-नयन' कौन हैं ? उनके मुख ढाँपने का क्या कारण है ?

(ख) कृषक की अधीरता का क्या कारण है ? उसकी शारीरिक दशा पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'विप्लव का वीर' कौन है ? उसके लिए यह सम्बोधन क्यों प्रयुक्त किया गया है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :
'चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×3=6*

तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबेको एकु न दैबेको दोऊ ।

(क) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए ।

(ख) काव्यांश के भाषिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) काव्यांश का भाव-वैशिष्ट्य लिखिए ।

अथवा

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे घुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

(क) प्रात नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(ख) काव्यांश में चित्रित परिवेश के वैशिष्ट्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) पद्यांश के भाषिक सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions, CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता के आधार पर चिड़िया के परों में चंचलता और कवि के पदों की शिथिलता के कारणों पर विचार करते हुए कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'सही बात का सही शब्द से जुड़ना' क्यों ज़रूरी है ? ऐसा न होने के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं ? 'बात सीधी थी, पर' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) पेट की आग राम-भक्ति के मेघ से ही शान्त हो सकती है – तुलसी की रचना की पृष्ठभूमि में तत्कालीन सामाजिक दशा पर टिप्पणी कीजिए ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख की अपेक्षा दुख ही अधिक है । जब उसने गेहुँए रंग और बटिया जैसे मुख वाली पहली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जिठानियों ने ओठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की । उचित भी था क्योंकि सास तीन-तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मचिया के ऊपर विराजमान पुरखिन के पद पर अभिषिक्त हो चुकी थी और दोनों जिठानियाँ काक-भुशुंडि जैसे काले लालों की क्रमबद्ध सृष्टि करके इस पद के लिए उम्मीदवार थीं । छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया । जिठानियाँ बैठकर लोक-चर्चा करतीं और उनके कलूटे लड़के धूल उड़ाते; वह मट्ठा फेरती, कूटती, पीसती, राँधती और उसकी नन्हीं लड़कियाँ गोबर उठातीं, कंडे पाथतीं ।

(क) भक्तिन जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख क्यों न प्राप्त कर सकी ? उसके सुखाभाव के कारणों पर तर्कसहित विचार कीजिए ।

(ख) भक्तिन की सास और जिठानियों के पारिवारिक सम्मान-प्राप्ति का क्या कारण था तथा भक्तिन के प्रति उनके व्यवहार में क्या परिवर्तन हुआ ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए – "छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया ।"

(घ) भक्तिन और उसकी दोनों नन्हीं लड़कियों को पारिवारिक दण्ड किस रूप में भोगना पड़ा ? इस दण्ड के औचित्य-अनौचित्य के विषय में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहता थी । पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख़याल से ढोलक बजाता हो, किन्तु गाँव के अर्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी । बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था । स्पन्दन-शक्ति शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी । अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे ।

(क) रात्रि की विभीषिका कैसी थी ? ढोलक किस रूप में उसको चुनौती देती थी ?

(ख) दंगल का दृश्य किस-किसमें किन रूपों में उपयोगी होता था और क्यों ?

(ग) ढोलक की आवाज़ औषध-गुण-हीन होकर भी मृतप्रायों पर क्या प्रभाव डालती थी ?

(घ) 'औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन' तथा 'स्पन्दन-शक्ति-शून्य स्नायुओं' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×4=12*

(क) जाति-प्रथा के आधार पर श्रम-विभाजन समाज में किन समस्याओं का कारण रहा है ? आधुनिक समय में इस दिशा में क्या परिवर्तन हुआ है ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ख) 'शिरीष का फूल संघर्ष-भरे जीवन में भी जीवन्त बने रहने की सीख देता है ।' उपयुक्त तर्क देकर प्रतिपादित कीजिए ।

(ग) 'नमक' कहानी भारत-पाक के विस्थापित पुनर्वासित लोगों के दिलों को टटोलने वाली कहानी है – उदाहरणों के आधार पर पुष्टि कीजिए ।

(घ) जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) जीजी ने इन्दर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ? इस विषय में लेखक की प्रतिक्रिया को स्पष्ट कीजिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

न्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) कैसे कहा जा सकता है कि आत्मकथा का 'जूझ' शीर्षक, कथा-नायक की केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है ?

(ख) यशोधर बाबू समय के साथ ढल सकने में असफल क्यों रह जाते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मुअनजो-दड़ो सिन्धु घाटी-सभ्यता का एक नियोजित शहर था । उदाहरणों के आधार पर टिप्पणी कीजिए ।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) ऐन फ्रेंक समाज में नारी के किस रूप का समर्थन करती है, क्यों ?

(ख) कैसे कहा जा सकता है कि सिंधु-सभ्यता में अनुशासन का महत्त्व था, ताकत का नहीं ?

(ग) उदाहरणों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढलने में पूरी तरह सफल महिला है ।

14. ''जूझ' कहानी उभरते किशोर-समाज को प्रेरणा देने वाली एक सफल कहानी है' – इस कथन के आलोक में 'जूझ' कहानी के उन जीवन-मूल्यों की विवेचना कीजिए जो किशोर-किशोरियों के लिए प्रेरक हैं । *5*

अथवा

'ऐन फ्रेंक की डायरी इतिहास के दर्दनाक अध्याय के अनुभवों की कहानी है' – इस कथन के आलोक में उन जीवन-मूल्यों का उल्लेख कीजिए जो द्वितीय विश्व युद्ध में छिन्न-भिन्न हो गए थे ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects